विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

राँची * जनवरी-मार्च 2022 *अश्विन कृष्ण - पौष कृष्ण * विक्रम संवत् 2079 * वर्ष 1, अंक 4

संपादकीय

आदरणीय बंधु/भगिनी,

सादर नमस्ते!

हमने विवेकानंद जयंती, मकर संक्रांति, सुभाषचन्द्र बोस जयंती, संत रविदास जयंती एवं होलीकोत्सव पिछले दिनों मनाया। युवाओं के लिए सतत् प्रेरणाशील रहे विवेकानंद जी ने कहा, *''हम वो हैं जो हमारी सोच ने हमें बनाया है। इसलिए इस बात पर ध्यान रखना चाहिए की हम क्या सोचते हैं, शब्द गौण हैं। विचार रहते हैं और वे दूर तक यात्रा करते हैं।''*

मकर संक्रांति का संदेश है, सामाजिक समरसता एवं संपूर्ण संक्रांति। समाज के लिए जिऐं, राष्ट्र के लिए जिऐं ऐसी भावना के साथ कार्य करना।

संत रविदास जी की भी जयंती से हमें समाज एवं राष्ट्र के ऐका का ही संदेश मिलता है। हमने रंगों का उत्सव 'होली' भी इस बार कोरोना के डर के साए से अलग होकर धूम-धाम से मनाया।

भारतीय मनिषियों एवं भारतीय त्योहारों का संदेश हमेशा राष्ट्र को उच्च शिखर पर ले जाना एवं वहाँ उसे बनाए रखना रहा है। हमारे पर्व-त्योहार सामाजिक समरसता एवं ऐक्य का ही संदेश प्रेषित करते हैं।

फिर क्या कारण है कि समाज के अन्दर ही कुछ बहुरूपिए हमारे राष्ट्र को कमजोर व खोखला करना चाहते हैं?

हमें सावधान रहना होगा ऐसे तत्वों से। हमारी एकता कमजोर ना होने पाए। हम भारत माता के वरद पुत्र एवं पुत्री अपनी जननी को कभी भी कमजोर नहीं होने देंगे ऐसा भाव सदैव जाग्रत रखना होगा। इसी में सभी की भलाई है।

नए वर्ष का उत्सव मनाने की तैयारियों में हम लग गए होगें। नया शैक्षिक सत्र भी प्रारंभ होने वाला है। लगातार दो-वर्षों के कोरोना काल के बाद छोटे-भैया बहनों को विद्यालय जाने का अवसर मिलने वाला है। प्राधानाचार्य सम्मेलन में इसकी विशद् चर्चा हुई है। सरकारी गाइर्ड लाईन के अन्तर्गत सभी व्यवस्थाएँ आने वाले समय में होने वाली है। हम उनका ध्यान रखते हुए अपने पठन-पाठन में लगेंगे एवं विगत भयावह काल को भूलकर पूर्ण गति एवं ताकत के साथ सभी चीजों को पुन: व्यवस्थित करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। वि.भा.अ.भा. शिक्षा संस्थान के साधारण सभा की बैठक के आयोजन का दायित्व भी अपने प्रदेश को मिला। बैठक में लगे कार्यकर्त्ता/व्यवस्थापक सभी को साधुवाद। उनके प्रयत्न से ही बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। अतिथि देवो भव: का भाव प्रदर्शित हुआ।

भारत माता की जय!

मनोज कुमार

विद्या विकास समिति, झारखंड

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के साधारण सभा की बैठक का आयोजन 25 मार्च से 27 मार्च 2022 को धरती आबा, भगवान बिरसा मुंडा की भूमि झारखंड को यह सौभाग्य दूसरी बार प्राप्त हुआ । झारखंड की राजधानी रांची के कृष्ण चंद्र गांधी शैक्षिक नगर, कुदलुम, राँची में इसका भव्य आयोजन किया गया। इस बैठक को सफल बनाने हेतु क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम जी, क्षेत्रीय मंत्री राम अवतार नारसरिया जी, क्षेत्रीय सचिव नकुल कुमार शर्मा जी एवं प्रांत के सचिव श्री अजय कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक कुशल कार्यकारिणी सदस्यों की टोली का गठन किया गया जिसमें कार्यक्रम के संपादन हेतु संयोजक की भूमिका में रांची के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री विष्णु कुमार जालान तथा संयोजक की भूमिका में उनके सहयोगी विद्या विकास समिति पलामू विभाग के विभाग निरीक्षक नीरज कुमार लाल और गुमला विभाग के विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार जी ने सहसंयोजक के रूप में कार्यक्रम में अपने दायित्व का निर्वहन किया। इस बैठक को सफल बनाने हेतु 12 संचो के द्वारा सभी प्रमुख विभागों को बांटा गया जिसके अन्तर्गत स्वागत, भोजन, आवास ,यातायात, बैठक व्यवस्था, मंच आदि की व्यवस्था थी। जिसके लिए बिहार और झारखंड से लगभग 200 व्यवस्था हेतु कार्यकर्ता लगाए गए । आवास की व्यवस्था टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज परिसर, विद्या मंदिर विद्यालय परिसर और आचार्य प्रशिक्षण विद्यालय परिसर इन 3 जगहों पर किया गया। बैठक हेतु उत्कृष्ट गुणवत्ता के पंडाल की व्यवस्था आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में किया गया । पूरे परिसर और पंडाल के सजावट को देखकर अतिथि मंत्रमुग्ध हो गए । बैठक से पूर्व 23 मार्च को प्रेस वार्ता करते हुए उस समय के वर्तमान अखिल भारतीय महामंत्री श्री राम आरावकर जी ने कहा - इस बैठक में 350 कार्यकर्ता अपेक्षित है । इस बैठक का लक्ष्य 2 वर्षों से बंद पड़े विद्यालय के बाद बच्चों को फिर से विद्यालय की ओर अग्रसर करना है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष डी राम कृष्णराव ने किया। पूरे बैठक में संघ के सह कार्यवाह कृष्ण गोपाल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक से 1 दिन पूर्व विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष दिलीप बेतकेकर जी सहित दर्जनों अधिकारियों ने संयुक्त रुप से रांची स्थित बिरसा मुंडा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु उनसे आशीर्वाद लिया और कहा देश की आजादी में भगवान बिरसा मुंडा की भूमिका अविस्मरणीय रही है। आज की युवा पीढ़ी को उनके किए गए कार्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया जिसमें झारखंड की माटी और रीति रिवाज की झलक साफ नजर आ रही थी। अतिथियों ने इस अद्भूत स्वागत की भूरी भूरी प्रशंसा की। बैठक के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में माननीय कृष्ण गोपाल जी ने कहा "पुनः स्कूल चले हम" समाज का यही लक्ष्य हो। साधारण सभा की बैठक में हर 3 वर्ष पर अखिल भारतीय कार्यकारिणी की घोषणा होती है। चूंकि यह चुनावी वर्ष था अत: श्री डी रामाकृष्ण राव को अध्यक्ष एवं ब्रह्म देव शर्मा जी को दुबारा संरक्षक बनाया गया। वहीं दूसरी ओर गोविंद मोहंत जी अखिल भारतीय संगठन मंत्री बने तो अवनीश भटनागर जी को अखिल भारतीय महामंत्री पद का दायित्व दिया गया। इस प्रकार से पूरे नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। अतिथियों के मनोरंजन हेतु पूरे झारखंड प्रांत के विद्यालयों से कलाकार बुलाए गए। बैठक के प्रथम दिवस पर सिसई के बहनों के द्वारा हॉर्स पाइप बैंड के प्रदर्शन नें अतिथियों का मन मोह लिया। साधारण सभा के दूसरे दिन झारखंड के विभिन्न विद्यालयों से चयनित उत्कृष्ट भैया बहनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर झारखंड की झलक दिखाई गई। बैठक बहुत ही मनमोहक वातावरण में उत्कृष्ट उपलब्धियों के साथ संपन्न हुईं।

हमारे प्रकल्प

बिंदेश्वरी लाल साहु सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भलमण्डा, रायडीह , गुमला

प्रकल्प का क्षेत्र	शिक्षा एवं सेवा
स्थान	रायडीह , जिला :- गुमला , पिन :- 835232 , प्रान्त :- झारखण्ड
प्रकल्प प्रमुख का नाम	श्री राजेश प्रसाद
ईमेल	blsssvmraidih@gmail.com
सम्पर्क सूत्र	8987504413 , 8340251948

प्रकल्प में किए जा रहे कार्य का विवरण :- सुदूर ग्रामीण क्षेत्र रायडीह, जिला-गुमला में विद्या विकास समिति ,झारखण्ड द्वारा 02 जनवरी 1997 को बिंदेश्वरी लाल साहु सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का शुभारंभ किया गया।

प्रारम्भ में शिक्षा का दीप एक छोटे से स्थान पर प्रारम्भ किया गया जिसे सामाज के सक्रिय कार्यकर्ता स्वर्गीय रतनु गोप के आवास में प्रारम्भ किया गया। समय समय पर अपना कार्य संघर्ष करते हुए आगे बढ़ता रहा समाज का विद्यालय के प्रति झुकाव हुआ मानसिक एवं शारीरिक सहयोग भी प्राप्त हुआ। इसी संघर्ष के परिणाम स्वरूप विद्यालय को साढ़े तीन एकड़ भूमि श्रीमान बसंत कुमार लाल एवं श्रीमान विनय कुमार लाल जी के द्वारा प्राप्त हुआ। शिशु मंदिर प्रकाशन के द्वारा दो कमरों का निर्माण हुआ अब अपनी कल्पना से छात्रावास का स्वप्न साकार करना था ।

यह कार्य वनांचल शिक्षा समिति के सहयोग से 16 अगस्त 2000 को संपन्न हुआ जिसे एकलव्य छात्रावास के नाम से जाना जाने लगा। अपना कार्य हमेशा गतिमान रहा। भवन निर्माण कुछ गणमान्य नेताओं के सहयोग से हुआ है। जिसमे सांसद अजय मारु, सांसद सुदर्शन भगत एवं सांसद नीलकंठ सिंह मुंडा का नाम स्मरणीय है। हम सब अपने भैया बहन के सर्वांगीण विकास की कल्पना करते हैं। इस कार्य को साकार करते हुए आधुनिक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए संगणक की व्यवस्था श्री ज्ञान प्रकाश जालान द्वारा स्व० सीता देवी जालान की स्मृति में प्राप्त हुआ। और सिलाई प्रशिक्षण हेतु स्व० ज्ञान प्रकाश जालान की स्मृति में तीन सिलाई मशीन श्रीमती किरण देवी जालान द्वारा प्रदत्त एवं स्व० सत्यनारायण नारसरिया की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रदीप नारसरिया द्वारा तीन सिलाई मशीन प्रदत्त किया गया । छात्रावास में एक गौशाला भी है जिसमे देशी नस्ल का चार गाय एवं चार बैल है।गाँवो के रोगियों को सही समय पर अस्पताल पहुँचाने के लिए विद्यालय में चिकित्सा वाहन (एम्बुलेंस)की व्यवस्था है । चिकित्सा कार्य को स्थाई करने के लिए परिसर में एक सेवा सदन का कमरा है। शिक्षण के साथ - साथ कौशल विकास के दृष्टि से बहनो के लिए सिलाई प्रशिक्षण की व्यवस्था है। अब तक 30 बहनें सिलाई प्रशिक्षण ले कर अपना जीविकोपार्जन कर रही हैं। वर्तमान सत्र में 10 बहनों का पंजीयन हो चुका है।अपने छात्रावास में पढ़ाई के साथ- साथ जैविक कृषि कार्य का प्रशिक्षण छात्रावास प्रमुख श्री अनिल उराँव जी के द्वारा दिया जाता है

वर्तमान समय में विद्यालय में कई प्रकार के संसाधन उपलब्ध है :-

1. संगणक प्रशिक्षण, 2. सिलाई प्रशिक्षण, 3. जैविक कृषि प्रशिक्षण, 4. एम्बुलेंस सेवा, 5. अटल ट्रिंकरिंग लैब, 6. नाई (बारबर) प्रशिक्षण, 7. गौशाला, 8. घोष प्रशिक्षण, 9. फलदार वृक्ष जिससे विद्यालय और समाज लाभान्वित हो रहा है।

अपने छात्रावास से अध्ययन करके बच्चे आर्मी और नेवी में सेवा दे रहे हैं । वर्तमान में अपने छात्रावास में कुल 70 भैया हैं जिसमे अनुसूचित जनजाति के 35 आदिम जनजाति के 08 पिछड़ी जाती के 15 एवं सामान्य जाती के 12 भैया हैं। इस तरह से विद्यालय में कुल भैया और बहनो की संख्या 203 है जो 91 गाँवो से आते हैं। विद्यालय के पास कुल 4 एकड़ 86.5 डिसमिल जमीन उपलब्ध है जिसमे जैविक खेती द्वारा 1 एकड़ जमीन पर सब्जी की खेती की जाती है। इस प्रकल्प का समाज पर बहुत ही अच्छा प्रभाव पड़ा है। आदिम जनजातीय समाज जो विलुप्त होता जा रहा है का संरक्षण (शिक्षा तथा सेवा) के माध्यम से हो रहा है। सिलाई में प्रशिक्षित महिलाओं को उनके जिविकोपार्जन में सहायता की जाती है।

इति शुभम।

हमारे प्रकल्प

विद्या भारती विद्यालय प्रिय अंजली सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिटिकबोना, जरमुण्डी, दुमका

प्रकल्प का नाम :	प्रिय अंजली सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सिटिकबोना
स्थान :	सिटिकबोना, जिला : दुमका, प्रांत : झारखण्ड, पिन : 814118
प्रकल्प का क्षेत्रः	**शिक्षा एवं सेवा**
प्रकल्प प्रमुख का नाम :	श्री रमेश कुमार
ईमेल :	rameshgwwwkumar@gmail.com
मोबाईल न :	7979732821 / 9430167092 (W/a)

प्रकल्प में किए जा रहे कार्य का विवरण : सुदूर ग्रामीण क्षेत्र जिनके तीन ओर जनजातीय बाहुल्य गाँव तथा प्रसिद्ध नागेश्वर मंदिर बाबा बासुकीनाथधाम के 10 किलोमीटर दक्षिण में बसा सिटिकबोना प्रकल्प है। प्रकल्प की स्थापना 23 जनवरी 2007 को हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक श्री सुरेश मुर्मू जी और कई स्वयंसेवकों के प्रयास से डॉ. सोमनाथ दत्ता जी ने प्रकल्प के लिए जमीन उपलब्ध कराया। विद्या भारती, झारखण्ड और स्थानीय कार्यकार्ता के सहयोग से 10 जनजातीय बच्चों को लेकर लव–कुश छात्रावास एवं एकल विद्यालय प्रारंभ किया गया। बंजरनूमा भूमि पर कार्यकर्ता ने परिश्रम करके खेती कार्य प्रारंभ किया। इस भूमि पर खेती से प्रभावित होकर गाँव के लोग भी अपने आस–पास के भूमि पर खेती करने लगे। धीरे–धीरे समय के साथ साथ कार्यकर्ता या विद्यालय के शुभचिन्तक भी जुडते गए। प्रकल्प के शुभचिन्तक के सहयोग से भवन निर्माण भी हुआ। एकल विद्यालय से हटकर अब पाँचवी तक के विद्यालय का स्वरुप प्रदान किया गया। आस–पास के गाँवों से जनजातीय बच्चे विद्यालय में पढ़ने के लिए आने लगे। आगे कार्यकर्ताओं ने गौपालन करने का निर्णय लिया। दो देशी गायों के साथ गौशाला का कार्य प्रारंभ हुआ। अभी गौशाला में चार बड़ी देशी गाय के साथ कुल 18 गायें हैं। इस क्षेत्र में अच्छे डॉक्टर की कमी हमेशा रही है। अच्चे डॉक्टरों से यहाँ के रोगी का इलाज हो इसके लिए कई निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। रोगियों को अस्पताल तक पहुँचाने के लिए प्रकल्प में चिकित्सा वाहन की व्यवस्था है। चिकित्सा कार्य को स्थाई करने के लिए परिसर में एक सेवा सदन भवन का निर्माण हुआ है। जिसमें चिकित्सा के साथ–साथ अनेक प्रकार के विविध कार्य जैसे– सिलाई, बिनाई, बढ़ई के कार्य किए जाने वाले हैं। गाँव के जनजातीय बच्चों को कम्प्यूटर संचालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। अभी छात्रावास में 65 भैया हैं जो 74 गाँवों से आते हैं। प्रभात कालीन विद्यालय में आने वाले 55 भैया बहन हैं। वह 15 गाँवों से आते हैं। वर्तमान में कुल 120 भैया बहन हैं। जिसमें अधिकांश जनजातीय बच्चे हैं। अन्य दूसरे समुदाय के कोई भी बच्चे अपने विद्यालय में नहीं हैं। प्रकल्प के आचार्य जी के द्वारा सिटिकबोना गाँव को पूर्ण साक्षर गाँव बनाया गया है। संस्कारित शिक्षा के लिए अपना शिशु मंदिर प्रसिद्ध है। इस बात का समाज के लोग आपस में चर्चा करते हैं। प्रकल्प का अपना कुल 9 एकड़ भूमि है। लगभग 1 एकड़ भूमि पर जैविक कृषि कार्य किए जाते हैं।

इति शुभम्।

विद्या समाचार पत्रिका

4

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

17 से 20 फरवरी तक इंदूमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित हुआ चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन

विद्या विकास समिति, झारखण्ड के तत्वावधान में 17 से 20 फरवरी 2022 तक चार दिवसीय प्रांतीय प्राधानाचार्य सम्मेलन इंदूमति टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, चतरा में आयोजित हुआ। इसमें राज्य भर के 172 विद्यालयों के प्राधानाचार्य, प्रभारी प्राधानाचार्य सम्मिलित हुए। प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इस सत्र व आगामी सत्र की योजना पर चर्चा-परिचर्चा के साथ-साथ केंद्र सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन को लेकर रूपरेखा तैयार करना है। ध्यातव्य है कि समिति के निर्देशन में राज्य के अंदर 235 विद्यालय, 84 संस्कार केंद्र, 564 जनजातीय एकल विद्यालय व आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण से प्रांत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर उनमें संस्कार व शिक्षा का अलख जगाने का मापदंड तय किया जाता है। विगत वर्षो में वैश्विक महामारी के कारण शिक्षा व्यवस्था पर इसका प्रतिकूल असर पड़ा है। बच्चे शिक्षा से वंचित हो गए थे। ऐसे में सम्मेलन में बच्चों को कैसे पुन: शिक्षा से पूरी तरह जोड़ा जाए इसपर भी चर्चा हुई। सम्मेलन में झारखंड के प्रांतीय अधिकारियों , पूर्णकालिक कार्यकत्ताओं, कार्यालय कार्यकत्ताओं के साथ-साथ तत्कालिन अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत एवं अखिल भारतीय मंत्री अवनीश भटनागर जी के अलावे क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम जी, क्षेत्र प्रचारक रामनवमी प्रसाद जी व प्रांत प्रचारक दिलीप प्रसाद जी उपस्थित थे। उपस्थित अधिकारियो का मार्गदर्शन प्राधानाचार्यों एवं कार्यकर्त्ताओं को प्राप्त हुआ। इस सम्मेलन को सफल बनाने में विद्यालय के प्रबंधकारिणी समिति एवं विद्यालय परिवार की प्रशंसनीय भूमिका रही।

लक्ष्य के लिए मेहनत और लगन जरूरी : बीडीओ

दीक्षांत समारोह में अतिथियों के साथ छात्र-छात्राएं.

- अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दसवीं के छात्र-छात्राओं का दीक्षांत समारोह

प्रतिनिधि, फुसरो

अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फुसरो में रविवार को दीक्षांत समारोह आयोजित कर कक्षा दशम के छात्र-छात्राओं को भावभीनी विदाई दी गयी. समारोह की शुरुआत वंदना सभा में दीप प्रज्वलित कर की. मौके पर मुख्य अतिथि बेरमो बीडीओ मधु कुमारी ने छात्र-छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि मैं भी किसी धनाढ्य परिवार से नहीं हूं, लेकिन यह भी बात नहीं है कि मैं विपन्नता में पली हूं. मेरी मां शिक्षिका थी और मेरे मन में कुछ करने की इच्छा थी. इसके लिए मैंने तीन डी फार्मूले डिटरमिनेशन, डिवोशन एंड डेस्टिनेशन को अपना कर अपना लक्ष्य हासिल की. मुझे विश्वास है कि आप भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे.

विद्यालय के सचिव अमित कुमार सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार सिंह ने भी अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामना दी. कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं को लेखन सामग्री भेंट की गयी. वहीं छात्र-छात्राओं ने भी विद्यालय को स्मृति चिह्न दिया. मौके पर विद्यालय के समिति सदस्य बबलू गुप्ता, सभी आचार्य, आचार्या, कर्मचारी, नवम व दशम कक्षा के सभी छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

प्रभात खबर/31.3.22

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र किये गये पुरस्कृत

भूली. सरस्वती विद्या मंदिर में बुधवार को वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया. प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को विद्यालय के सचिव डॉ एस के एल दास व उपाध्यक्ष डॉ राम सुधीर सिंह ने पुरस्कृत किया. सचिव डॉ दास ने अभिभावकों से अपने बच्चों को समय देने व उनसे बात करने का आग्रह किया. उपाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि छात्र के सफलता के पीछे उसके परिश्रम, गुरु के मार्गदर्शन व अभिभावकों का संघर्ष होता है. कार्यक्रम के आयोजन में ललित कुमार, संतोष कुमार गुप्ता, अनुराधा सिंह, राजेश मंडल, अनुराधा कुमारी सहित सभी आचार्य-आचार्या सक्रिय रहे.

विवेकानंद की जयंती धूमधाम से मनी

छाया : सन्मार्ग

संवाददाता

भवनाथपुर : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर टाउनशिप विद्यालय के विशाल सभागार में बुधवार को स्वामी विवेकानन्द जयंती सह युवा दिवस धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शंकर सुमन , विशिष्ट अतिथि सीताराम पाठक , विद्यालय के सचिव अरविंद प्रताप सिंह सेंगर, माया दास ने संयुक्त रूप से विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर जयंती का शुभारंभ किया। अतिथियों का परिचय आचार्य समीर कुमार साहू ने किया। तत्पश्चात विद्यालय के आचार्यों ने विवेकानंद जी पर अपने विषयों को रखा उनके आदर्शों को ऑनलाइन जुड़े बच्चों को बतलाया गया। विभा पांडे, योगेंद्र प्रसाद यादव ने अपने विचारों को रखा। विद्यालय के प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार सिंह ने अपने विचारों को रखते हुए कहा की विवेकानंद जी के मार्गो पर चलने का प्रयास क्या हम सब करते हैं क्या हम सब उनके जैसा व्यवहार आचरण करते हैं।आज इस पर विचार करने की आवश्यकता है। और यह तब उदित होगा जब हम अपने अंदर ज्ञान को कौशल को हुनर को जगायेंगे। पराधीन भारत में जन्मे युवा विवेकानंद ने ही पराधीन भारत में स्वाभिमान का नारा दिया। विशिष्ट अतिथि सीताराम पाठक ने कहां की विवेकानंद जी की माता बचपन से ही उसे शिक्षा और धार्मिक पुस्तकों को ग्रंथों को पढ़ने के लिए प्रेरित करती थी। अरविंद प्रताप सिंह सेंगर ने बड़े ही सरल ढंग से विवेकानंद के आदर्शों के बारे में बताया। मौके पर विद्यालय के आचार्य राम इकबाल शर्मा, राकेश कुमार सिन्हा, विकास श्रीवास्तव, अनूप कुमार चतुर्वेदी, रूप लता कुमारी, विभा पांडेय, रितु, अंजलि, अमरीश पांडेय आदि लोग उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर व इंटर कॉलेज का त्रिदिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

स्वदेशी भावना संगठन का मूल आधार : सच्चिदानंद लाल

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के वीर बुधु भगत सभागार में सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर, शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर एवं मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय का संयुक्त रुप में विद्या भारती योजना अनुसार त्रिदिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि झारखंड प्रांत के माननीय प्रांत संघचालक सच्चिदानंद लाल थे। आगत अतिथियों के द्वारा सामूहिक रुप से दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन कारिणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, सचिव

अजय प्रसाद, सदस्य जीतवाहन बड़ाईक एवं तीनों विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम मुखर्जी, विपिन कुमार दास, सुरेश चन्द्र पांडे सहित तीनों विद्यालय के सभी आचार्य एवं आचार्या उपस्थित थे। प्रांत संघचालक सच्चिदानंद लाल ने कहा कि सज्जन शक्ति के विभिन्न संगठनों से संपर्क रखें एवं पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। बच्चों में देश भक्ति एवं स्वदेश की भावना भरी जाय। कार्यक्रम समरसता आधारित हो। आज की कार्यशाला 5 सत्रों में संपन्न हुई। द्वितीय सत्र में अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन किया गया। विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। तृतीय सत्र में गत सत्र के निर्बल पक्ष एवं सबल पक्ष की समीक्षा की गई। चतुर्थ सत्र में केंद्रीय आधारभूत विषय पर विशेष चर्चा की गई। आचार्य भारती, विषय परिषद एवं दिवस अधिकारी के प्रमुखों का निर्धारण किया गया ।पंचम सत्र में संकुल स्तरीय वार्षिक कार्य योजना बनाई गई और उसके अंतर्गत विद्यालय स्तरीय कार्य योजना को समाहित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि नये सत्र में सभी आचार्य जी नई ऊर्जा और उत्साह के साथ बच्चों के विकास के लिए समर्पित और संगठित भाव से कार्य करेंगे। अपने विद्यालय को जिला में एक सम्मानित स्थान पर प्रतिष्ठित करेंगे। संघ प्रार्थना के साथ आज की कार्यशाला संपन्न हुई।

दैनिक जागरण 26/3/22

परीक्षाफल के साथ छात्रों को किया गया पुरस्कृत

परीक्षा फल के साथ छात्र-छात्रा एंव शिक्षकगण • जागरण

संवाद सहयोगी, रामगढ़ : रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें वार्षिक परीक्षा का परीक्षाफल घोषित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सुरेश बगड़िया की ओर से पुरस्कार वितरण किया गया। मौके पर बगड़िया ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि पूरे कोरोना काल में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित रही फिर भी उन्होंने काफी अच्छी सफलता प्राप्त की। उन्होंने कार्यक्रम के मध्य में रामायण से संबंधित प्रश्न पूछ कर छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। साथ ही पूरे वर्ष में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र आर्यन कुमार एवं छात्रा सलोनी कुमारी को आदर्श छात्र एवं छात्रा घोषित किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष सुरेश बगड़िया, सचिव शंकर लाल अग्रवाल, सदस्य प्रदीप कुमार बेरलिया, जयप्रकाश अग्रवाल, अभिभावक प्रतिनिधि नीलम कुमारी, प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी, प्रभारी प्रधानाचार्य अनिल कुमार राय आदि थे।

संरक्षक: रामअवतार नारसरिया, ख्यालीराम जी, अजय कुमार तिवारी । **परामर्शी :** अखिलेश कुमार।

संपादक : मनोज कुमार। **प्रकाशक :** विद्या विकास समिति, झारखंड, शुक्ला कॉलोनी, हिनू, राँची-834002

: 0651-3512271, 2251008 : vvs.jharkhand@yahoo.com, vvspv.jharkhand@yahoo.com : vvs.jharkhand.org